India Media Monitor

Veer Arjun

Doctors protest at jantar mantar

Date: 09/08/2013 | Edition: Delhi | Page: 3 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 22 H: 13

Clip: 1 of 1

डाक्टरों ने दिया जंतर-मंतर पर विरोध धरना

हमारे संवाददाता

नई दिल्ली। डाक्टरों के लिए अपने पाठ्यक्रम के दौरान एक साल गांवों में जाने को अनिवार्य किए जाने के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन व दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के बैनर तले डाक्टरों ने जंतर-मंतर पर धरना देते हुए अपना विरोध जताया।

धरने पर भाग लेने वालों में इंडियन मेडिकल एसोसिशन के महासचिव डॉ. नरेन्द्र सैनी, पूर्व महासचिव डॉ. विनय अग्रवाल डॉ. प्रेम अग्रवाल डॉ. अनिल गोयल समेत अन्य डाक्टर नेताओं ने संबोधित किया।

डॉ. विनय अग्रवाल ने कहा कि डाक्टर गांव जाने के खिलाफ नहीं हैं लेकिन वहां सरकार पहले सुविधाएं उपलब्ध कराए न कि छात्रों को बेवजह परेशान करे।

उन्होने कहा कि गांवो में जो स्थिति है वह किसी से छिपी नहीं है। सरकार वहां प्राथमिक सुविधाएं तक नहीं दे पा रही है और दूसरी तरफ ऐसे कदम उठा अपनी तरफ से ध्यान हटा रही है।उन्होंने कहा कि हर गलत कदम के खिलाफ पूरा चिकित्सक समुदाय एकजुट है। डॉ. नरेंद्र सैनी महासचिव, आईएमए ने कहा कि इंडियन एसोसिएशन ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती का समर्थन करता है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में इसे अनिवार्य किया जाना मुमकिन नहीं है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में सुव्यवस्थित तैनाती की कोई प्रणाली नहीं है। प्रत्येक पीजी छात्र को अपने कोर्स/इंटर्नशिप के दौरान छह माह तक ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती को अवश्य पूरा करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक चिकित्सा अधिकारी अपने कार्यकाल में कम से कम चार से पांच पदोन्नितियों का अधिकारी होती है। हर प्रमोशन के बदले एक साल की ग्रामीण पोस्टिंग को अनिवार्य बनाया जा सकता है।

जंतर-मंतर पर आयोजित धरने पर डॉक्टर नेता विनय अग्रवाल, नरेन्द्र सैनी, डॉ प्रेम अग्रवाल व अन्य।

–कहा गांवों में भेजना सही नहीं –सरकार पहले सुविधाएं उपलब्ध कराए : विनय